पुनर्वास विश्वविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक एवं आर्थोटिक्स माह के उपलक्ष्य में कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र, डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय द्वारा एम एल इंटर कॉलेज घुरघूरी तालाब में जागरूकता एवं शारीरिक दिव्यांगता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में इंटर कॉलेज के लगभग 350 विद्यार्थियों के साथ साथ वहां के शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया जिसमें विद्यार्थियों में होने वाले दिव्यांगता के लक्षण जैसे फ्लैट फूट, नोक नी, रीढ़ की हड्डी का टेढ़ा होना जैसी विकृतियों के बारे जागरूक किया गया तथा उन्हें पहचानने के तरीके बताए गए। इस क्रम में सुश्री अनुप्रिया त्रिपाठी, डिमॉन्स्ट्रेटर, कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र एवं उनकी टीम नवनीत तिवारी और विमलेश कुमार द्वारा इसके रोकथाम एवं घरेलू उपचार के बारे में जानकारी साझा की गई, साथ ही में विद्यालय के छात्रों की शारीरिक विकृतियों का परीक्षण किया गया और जिन विद्यार्थियों में लक्षण दिखाई दिए उन्हें प्रारंभिक उपचार के लिए कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद में बुलाया गया। उक्त कार्यक्रम के आयोजन हेतु दिव्यांगता एवं पुनर्वास केंद्र के विषय में जानकारी साझा की गई।

पंजाब विश्वविद्यालय के छात्र और छात्राएं।

पंजाब विवि के छात्रों ने किया डॉ शकुंतला मिश्रा विवि का भ्रमण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: पंजाब यूनिवर्सिटी के छात्रों ने डॉ शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय का भ्रमण कर समावेशी रूप से चल रही शिक्षा व्यवस्था व सुविधाओं की जानकारी की। पंजाब यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सोशल वर्क विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो मोनिका सिंह व सुपरवाइजर प्रशांत के नेतृत्व में समाज कार्य के छात्र आए हैं।

शकुंतला विवि में कुलगीत से कार्यक्रम शुरू हुआ। अध्यक्षता डीन प्रोफेसर एसी मिश्रा और संचालन कॉर्डिनेटर डॉ अर्चना सिंह ने किया। इसके बाद डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से यूनिवर्सिटी के इतिहास, कार्यक्रम, सुविधाओं व उपलब्धियों की जानकारी दी गई। पंजाब यूनिवर्सिटी के छात्रों ने विभिन्न प्रकार से दिव्यांग छात्रों से अनुभव को जाना। कृत्रिम अंग सेंटर का भ्रमण किया। डॉ प्रकाश गौतम ने कृत्रिम अंग सेंटर की सेवाओं की जानकारी दी। पूर्व छात्र शरद पटेल ने भिक्षावृत्ति पर चल रही बदलाव एनजीओ के सेंटर पर भ्रमण कर कार्य करने के तरीका समझा। डॉ मनीष द्विवेदी ने आभार व्यक्त किया। डीन कौशल शर्मा, प्रोफेसर डॉ रूपेश कुमार सिंह, डॉ मनीष द्विवेदी, आरती राठौर, सिमरन ठाकुर, कुलदीप, प्रियंका सिंह, राकेश यादव , पंकज कुमार मौजूद रहे।

परिणाम में चौथी रैंक आई है।

पंजीकृत अभ्यर्थियों को प्रवेश का आखिरी मौका

जासं • लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में पर्याप्त समय दिए जाने के बाद भी सीटें खाली हैं। इन्हें भरने के लिए पंजीकृत अभ्यर्थियों को 21 अक्टूबर को काउंसिलिंग के लिए बुलाया गया है। प्रवेश निदेशक प्रो. नागेंद्र यादव ने प्रवेश प्रभारियों को पत्र जारी किया है। कहा गया है कि 21 अक्टूबर को काउंसिलिंग कर प्रवेश लेने के बाद 22 अक्टूबर को प्रवेश का पूरा डाटा निर्धारित दो प्रारूपों एवं समर्थ पोर्टल के प्रारूप पर हार्ड एवं साफ्ट कापी में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय एवं प्रवेश निदेशक के पास भेजना होगा। विश्वविद्यालय ने पीजी के उन अभ्यर्थियों को दूसरे विषय में प्रवेश का मौका दिया है, जिन्होंने कोर्स में आवेदन तो किया, लेकिन सीट भरने की वजह से प्रवेश नहीं हो पाया।

पंजाब यूनिवर्सिटी के छात्रों ने पुनर्वास विवि देखा

लखनऊ। शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में शुक्रवार को पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के छात्र पहुंचे। छात्रों को डॉक्यूमेंट्री के जरिए यूनिवर्सिटी के इतिहास, कार्यक्रम, सुविधाएं व उपलब्धियों की जानकारी दी गई। पंजाब यूनिवर्सिटी के छात्रों ने दिव्यांग छात्रों के अनुभव जाने। छात्र कृत्रिम अंग भी सेंटर गए। डॉ. प्रकाश गौतम ने कृत्रिम अंग सेंटर की सेवाओं के बारे में बताया।

अपने नाम का।

छात्रों ने देखा पुनर्वास विश्वविद्यालय

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विवि का शुक्रवार को पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के सेंटर फॉर सोशल वर्क विभाग के छात्रों ने भ्रमण किया।

विवि ने डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से यूनिवर्सिटी के इतिहास, कार्यक्रम, सुविधाएं व उपलब्धियों के बारे में छात्रों को जानकारी दी। डॉ. अर्चना सिंह ने छात्रों को कृत्रिम अंग सेंटर का भ्रमण भी करवाया। (संवाद)

दिव्यांगता के बारे में किया जागरूक : कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र की ओर से एमएल इंटर कॉलेज में दिव्यांगता जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसमें दिव्यांगता के लक्षण फ्लैट फूट, नोक नी, रीढ़ की हड्डी का टेढ़ा होना जैसी विकृतियां शामिल रहीं।